लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 141

18 नवंबर, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात के निर्यात में गिरावट

141. श्री सी.पी. जोशीः

श्री संगम लाल गुप्ताः

श्री रामदास तडसः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत पांच वर्षों के दौरान देश में इस्पात उत्पादन में दर्ज हुए बदलाव सहित इसके उत्पादन का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस्पात के निर्यात में गिरावट आई है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार इस्पात के उत्पादन को बढ़ाने हेतु किसी प्रकार का प्रोत्साहन प्रदान कर रही है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार सेल को बेचने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और इसकी प्रविधियों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): गत पाँच वर्षों अर्थात् 2014-15 से 2018-19 के दौरान परिवर्तन की प्रतिशतता के साथ कच्चे इस्पात उत्पादन के आंकड़े निम्नानुसार हैं:-

भारत : कच्चा इस्पात (मिलियन टन या एमटी)		
वर्ष	**उत्पादन**	**पिछले वर्ष की तुलना में परिवर्तन का %**
2014-15	88.98	--
2015-16	89.79	0.9
2016-17	97.94	9.1
2017-18	103.13	5.3
2018-19	110.92	7.6
स्रोत: जेपीसी		

(ख) और (ग): जी हाँ। वित्त वर्ष 2014-15, वित्त वर्ष 2015-16 और वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान गिरावट दर्ज की गई थी। तथापि, वित्त वर्ष 2016-17 और वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान कुल फिनिश्ड इस्पात (नॉन-अलॉय+अलॉय/स्टेनलेस स्टील) के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है। गत पाँच वर्षों अर्थात् वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान कुल फिनिश्ड (नॉन अलॉय + अलॉय/स्टेनलेस) इस्पात के समग्र निर्यात के आंकड़े निम्नानुसार हैं:

कुल फिनिश्ड इस्पात (अलॉय/स्टेनलेस+नॉन अलॉय) निर्यात (एमटी)		
वर्ष	**मात्रा**	**पिछले वर्ष की तुलना में परिवर्तन का %**
2014-15	5.59	-6.5
2015-16	4.08	-27.1
2016-17	8.24	102.1
2017-18	9.62	16.7
2018-19	6.36	-33.9
स्रोत: जेपीसी		

(घ) और (ङ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। सरकार की भूमिका सिर्फ एक सुविधाप्रदाता की है जो इस्पात क्षेत्र की दक्षता और कार्य-निष्पादन में सुधार लाने के लिए अनुकूल वातावरण सृजित करने हेतु नीतिगत दिशा-निर्देश निर्धारित करता है और संस्थागत तंत्र/संरचना स्थापित करता है।

(च): जी नहीं। सरकार ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की केवल तीन इकाइयों अर्थात् विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र (वीआईएसपी), भद्रावती, कर्नाटक, सेलम इस्पात संयंत्र (एसएसपी), तमिलनाडु तथा अलॉय इस्पात संयंत्र (एएसपी) दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल के रणनीतिक विनिवेश के लिए 'सैद्धांतिक रूप' से अनुमोदन प्रदान किया है। सेल की ये तीनों इकाइयाँ लगातार घाटे में चल रही हैं। इन तीन इकाइयों का विनिवेश डीआईपीएएम द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में निर्धारित प्रक्रियाओं के जरिए करना होगा।

****